|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Bog på vej fra Lindhardt og Ringhof | | |  | | --- | |  | | | | |
| |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Jamie har lært af de italienske bedstemødre** | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | https://gallery.mailchimp.com/77ab2fec3bb51615af1a110c6/images/825ba739-e603-42df-b3f0-3de181368f8f.jpg | | [Download forsiden her:](https://lindhardtogringhof.us4.list-manage.com/track/click?u=77ab2fec3bb51615af1a110c6&id=76491bce97&e=1ff2e4e12d) **Fakta om bogen**: **Titel**: Jamie i Italien  **Forfatter**: Jamie Oliver  **Oversætter:** Ninna Brenøe  **Omfang:** 405 sider **Pris**: 299,95 kr. **Udkommer**: Er udkommet | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Jamie Oliver Jamie i Italien | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Jamie Oliver elsker Italien og italiensk mad. For at skrive denne bog har han gennemrejst landet for at lokke opskrifter og tips ud af nonna’erne (bedstemødrene), som er de helt centrale personer i familien, når det gælder mad.  Med inspiration fra sin rejse har Jamie skabt over 130 opskrifter til hele året. Fra enkle antipasti og nemme pastaretter, til vidunderlig simremad, fantastiske salater og guddommelige desserter. Læserne lærer også at perfektionere klassikere som gnocchi, fyldt pasta og den helt rigtige pizzabund.  Italiensk mad er populær over hele kloden, og i denne bog finder læserne selve sjælen i det italienske køkken.  Og vi danskere har virkelig noget at lære – vi bruger i gennemsnit ½ time på madlavning i hverdagen. Det er nærmest ulovligt at bruge så lidt tid på maden i Italien. Her er maden højdepunktet. Italienerne er store livsnydere, og de bruger timevis på at handle råvarer på markedet, tilberede dem hjemme i køkkenet og nyde måltidet sammen med deres nærmeste. | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |